PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA BINA

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बीना

SESSION :- APRIL TO OCTOBER

सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षणिक वातावरण के समग्र विकास के लिए सुलभ, किफायती, समान, गुणवत्तापूर्ण एवं नवाचारपूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए प्रत्येक बच्चे में शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और उसके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना।

PM SHRI E NEWSLETTER

Foundational And Preparatory Stage

SESSION – 2025-2026

APRIL TO OCTOBER

WEBSITE
https://bina.kvs.ac.in
EMAIL
Kvbina@yahoo.com
TWITTER
https://x.com/KVS_HQ
FACEBOOK
https://www.facebook.com/kvbina/
YOU TUBE
https://www.youtube.com/@kendriyavidyalaya4781
ADDRESS
Bina Distt Sagar, Madhya Pradesh, opposite Railway Station, Sagar, Madhya Pradesh 470113
Phone: 092851 00959

OUR PATRONS

संरक्षक

SMT. SHAHIDA PARVEEN

DEPUTY COMMISSIONER
KVS RO BHOPAL REGION

SHRI. VIJAY VIR SINGH

ASSISTANTCOMMISSIONER
KVS RO BHOPAL REGION

SMT. KIRAN MISHRA

ASSISTANT COMMISSIONER
KVS RO BHOPAL REGION

SMT. NIRMALA BUDANIA

ASSISTANT COMMISSIONER
KVS RO BHOPAL REGION

"प्राचार्य की कलम से"

श्रीमती सुनीता गुप्ता

"शिक्षा वह है जो व्यक्ति के स्कूल में सीखी हुई सभी बातें भूल जाने के बाद भी उसके साथ बनी रहती है।" — अल्बर्ट आइंस्टीन

केन्द्रीय विद्यालय में, हम बच्चों के सर्वांगीण विकास में विश्वास करते हैं। आज के बच्चे ही कल के नागरिक हैं, और यहाँ हम केवल ज्ञानवान ही नहीं, बल्कि चरित्रवान व्यक्तित्व का निर्माण करने का प्रयास करते हैं।

हमारा उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करना नहीं है, बल्कि छात्रों में अपनी भारतीयता के प्रति गर्व की भावना जगाना भी है। हमारे विद्यार्थी अपने समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत से परिचित हों और उस पर गर्व करें — यही हमारा संकल्प है।

हम उन्हें ऐसे जिम्मेदार नागरिक के रूप में जागरूक करना चाहते हैं जो सतत विकास (Sustainable Development) में विश्वास रखते हों। संक्षेप में, हम अपने प्रत्येक विद्यार्थी को "शिक्षा" नामक उस अस्त्र से सशक्त बनाना चाहते हैं, जिससे वे दुनिया को बदलने की शक्ति प्राप्त कर सकें।

प्रधानाध्यापिका की कलम से

श्रीमती श्वेता गिल

“अवसर अपने आप नहीं मिलते, उन्हें हमें स्वयं बनाना पड़ता है।”
“अपने परिवार से प्रेम करें, पूरी मेहनत से काम करें और अपने जुनून के साथ जिएं।”
“सुबह का एक छोटा-सा सकारात्मक विचार आपके पूरे दिन को बदल सकता है।”

पाठ्यक्रमीय और सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायता करती हैं। CMP (Continuous and Comprehensive Monitoring Programme) बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के अवसर प्रदान करता है। यह न्यूज़लेटर प्राथमिक वर्ग के बच्चों को अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने और उन्हें निखारने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है।

विद्याप्रवेश कार्यक्रम

विद्याप्रवेश कार्यक्रम बच्चों के विद्यालय जीवन की शुरुआत का एक विशेष अवसर होता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि और उत्साह जगाया जाता है। विद्यालय में उनका स्वागत गीत, कहानी और खेल-कूद के माध्यम से किया जाता है। यह कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास की पहली सीढ़ी माना जाता है।

स्कूल रेडीनेस मॉड्यूल

बालवाटिका कॉर्नर

बालवाटिका शिक्षा की प्रथम सीढ़ी है जहाँ बच्चे खेल और गतिविधियों के माध्यम से सीखते हैं। यहाँ बच्चों को भाषा, संख्याएँ, आदतें और जीवन कौशल सिखाए जाते हैं। बालवाटिका का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, सहयोग और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है। यह विद्यालय जीवन की नींव को मजबूत बनाती है।

प्राइमरी अलंकरण समारोह

प्राइमरी अलंकरण समारोह में कक्षा एक से पांच तक प्रत्येक विद्यार्थियों को चार सदनों में बांटा गया जो निम्नलिखित है :- अशोक सदन, टैगोर सदन, शिवाजी सदन और रमन सदन। जिसमें छात्र परिषद में प्राइमरी स्कूल कैप्टन, सीसीए कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन और हाउस कैप्टन बनाये गये।

योग दिवस

योग शारीरिक एवं मासिक स्वास्थ्य के लिए लाभ दायका है। योग अभ्यास से शरीर में स्फूर्ति और मन को शांति प्राप्त होती है।

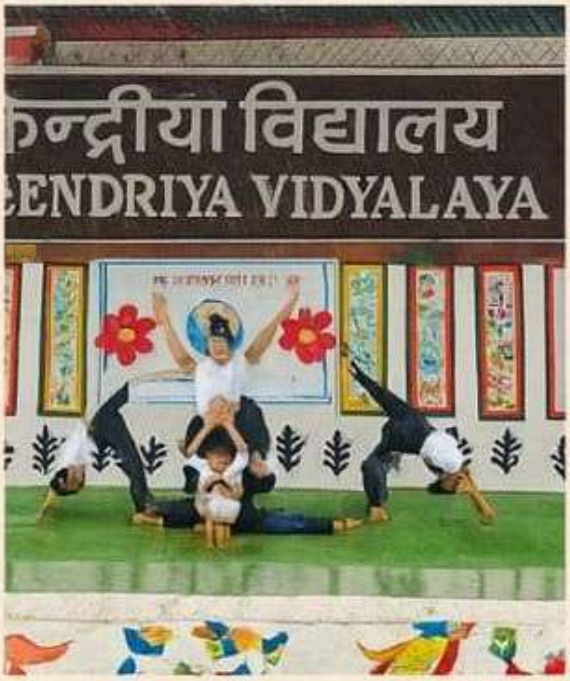

एक पेड़ माँ के नाम

"एक पेड़ माँ के नाम" एक सुंदर पहल है, जिसमें हम अपनी माँ के सम्मान में एक पेड़ लगाते हैं। यह न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि हमें माँ के त्याग और स्नेह की याद भी दिलाता है। जैसे माँ अपने बच्चों की देखभाल करती है, वैसे ही हमें भी उस पेड़ की देखभाल करनी चाहिए। यह पेड़ हमारी माँ के प्रति प्रेम और कृतज्ञता का प्रतीक बन जाता है।

पर्यावरण जागरूकता गतिविधि

विद्यालय में पर्यावरण जागरूकता के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने पोस्टर निर्माण, पौधारोपण, नारा लेखन और भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों ने "स्वच्छ वातावरण – स्वस्थ जीवन" का महत्व समझा और जल, वायु तथा भूमि को प्रदूषण मुक्त रखने का संकल्प लिया। इन गतिविधियों से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और सतत विकास की भावना का विकास हुआ।

15th AUG
स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर बच्चों ने नृत्य, गीत और कविताओं के माध्यम से अपने देश के प्रति प्रेम और गर्व को अभिव्यक्त किया। मंच पर उनका आत्मविश्वास और उत्साह देखकर सभी उपस्थित लोग भावविभोर हो उठे।

जन्माष्टमी महोत्सव

नन्हें-मुन्ने बालक आए, हर्ष भरा उत्सव लाए,गूँज उठा विद्यालय सारा,
“जय कन्हैया लाल की” गाए।फूलों से सजी थी चौपाल, दीपों से दमकी हर दीवार,माखनचोर का रूप सजाए, नाच उठे सब बाल अपार।

स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़ा एवं स्वच्छता ही सेवा 2025 की थीम स्वच्छोत्सव को 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक हमारे विद्यालय में मनाया गया। इसमें विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें स्वच्छता एग्जिबिशन, स्वच्छता पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन तथा विद्यालय परिवेश को स्वच्छ एवं स्वस्थ रखने के लिए नारा लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

जल पखवाड़ा

पानी जीवन का आधार है, इसके बिना कोई जीवित नहीं रह सकता। हमें पानी की हर बूंद की कद्र करनी चाहिए और इसे व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। 💧

हिन्दी पखवाड़ा

हिन्दी हमारी मातृभाषा है।

हिन्दी भाषा का विकास करना हमारा कर्तव्य है।

निपुण भारत बैठक

विद्यालय में निपुण भारत बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शिक्षकों ने बच्चों की बुनियादी सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए विचार-विमर्श किया। सभी ने यह निश्चय किया कि प्रत्येक बच्चा पढ़ने, लिखने और गणना में निपुण बने। बैठक में शिक्षण के नए और रोचक तरीकों पर भी चर्चा की गई ताकि सीखना बच्चों के लिए आनंददायक बन सके।

निपुण भारत बैठक

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बीना
PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA, BINA
NIPUN BHARAT MEETING

NIPUN BHARAT MEETING
BINA CLUSTER
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)

विद्यालय में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में जानकारी देने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। शिक्षकों ने बच्चों को बताया कि यह नीति शिक्षा को अधिक समग्र, आनंदमय और बाल-केंद्रित बनाने पर जोर देती है। इसके अंतर्गत आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN), कला-संविलित शिक्षण, अनुभवात्मक अधिगम तथा 21वीं सदी के कौशलों के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। बच्चों ने पोस्टर, नारे और भाषण के माध्यम से NEP 2020 के मुख्य बिंदुओं को प्रस्तुत किया। इस गतिविधि से विद्यार्थियों में नई शिक्षा प्रणाली के प्रति जागरूकता और उत्साह देखा गया।

गतिविधि कक्ष

"खेल-खेल में सीखें यहाँ,
नन्हे सपनों को पंख मिलें यहाँ।"

खेल-आधारित शिक्षण

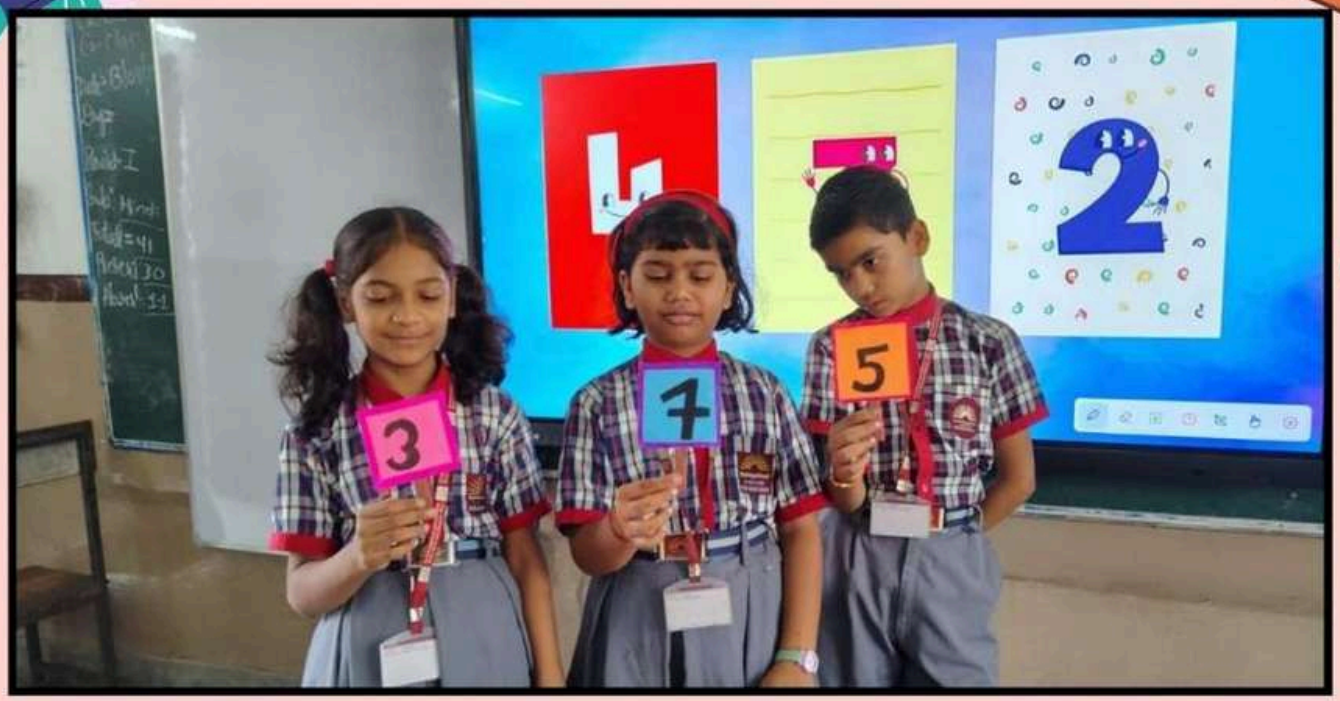

विद्यालय में खेल आधारित शिक्षण के अंतर्गत रोचक और शिक्षाप्रद गतिविधियाँ आयोजित की गईं। बच्चों ने विभिन्न खेलों के माध्यम से गणित, भाषा और पर्यावरण अध्ययन की अवधारणाएँ सीखी। गतिविधियों जैसे शब्द पहेली, संख्या खेल, भूमिका-निवर्तन और टीम गेम्स के माध्यम से सीखना आनंददायक बना। इस पद्धति से बच्चों में सीखने की रुचि, सहयोग की भावना, तार्किक सोच और समस्या समाधान कौशल का विकास हुआ। खेल के माध्यम से सीखने से कक्षा का वातावरण सक्रिय, रचनात्मक और बाल-केंद्रित रहा।

खेल-आधारित शिक्षण

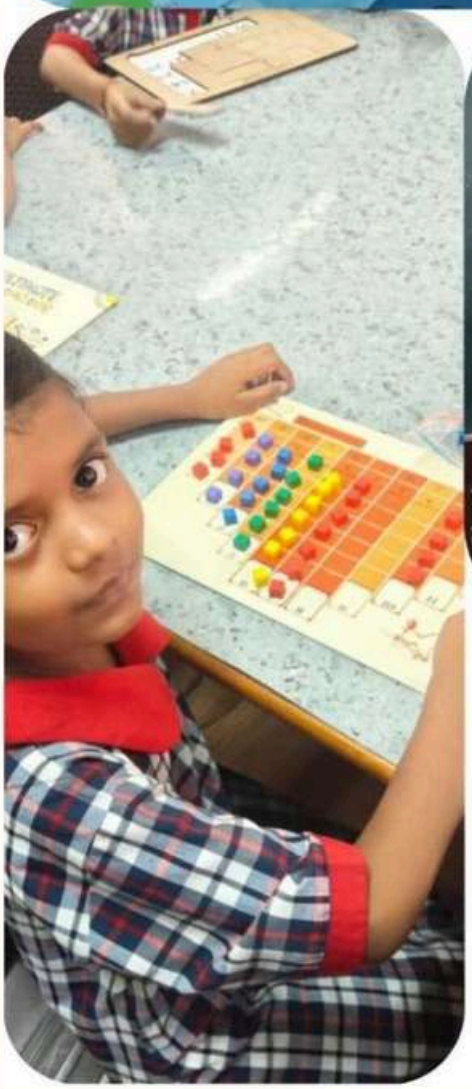

कहानी आधारित शिक्षण

विद्यालय में कहानी आधारित शिक्षण के माध्यम से बच्चों ने मनोरंजक कहानियों से महत्वपूर्ण विषय सीखे।
कहानी सुनने, भूमिका निभाने और चित्र बनाने जैसी गतिविधियों से बच्चों में कल्पनाशक्ति, भाषा कौशल और नैतिक मूल्यों का विकास हुआ।

"कहानी सिर्फ सुनाई नहीं जाती, उससे जीवन के सबक सीखे जाते हैं।"

कला-संविलित शिक्षण गतिविधि

विद्यालय में कला-संविलित शिक्षण के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ करवाई गईं। विद्यार्थियों ने गणित, पर्यावरण अध्ययन और भाषा विषयों को कला के माध्यम से सीखने का आनंद लिया। बच्चों ने चित्रकला, कोलाज, गीत, नाट्य रूपांतरण तथा हस्तशिल्प के माध्यम से अपने विचारों को अभिव्यक्त किया। इन गतिविधियों से विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना का विकास हुआ। कला के माध्यम से सीखने से कक्षा का वातावरण उत्साहपूर्ण और आनंददायक बना रहा।

डिजिटल पहल

डिजिटल पहल के तहत स्मार्ट बोर्ड और प्रोजेक्टर किट से शिक्षा रोचक और प्रभावी बनी है। यह न केवल सीखने में बल्कि नैतिक शिक्षा देने में भी सहायक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति
(NEP 2020)

वर्णों की पहचान

राष्ट्रीय शिक्षा नीति(NEP 2020)

Dice Game

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)

मात्राओं का ज्ञान

अनुभवात्मक शिक्षण
(Experiential Learning)

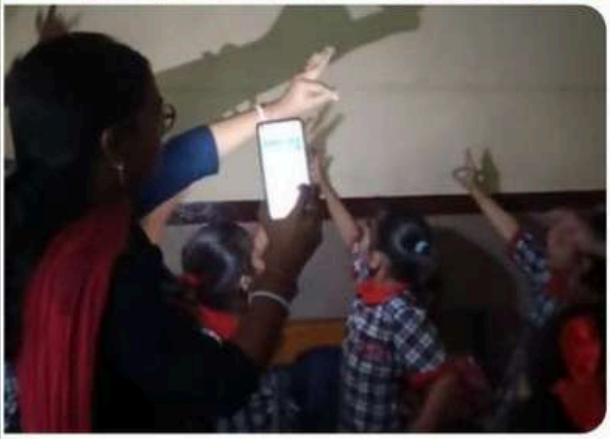

विद्यालय में अनुभवात्मक शिक्षण के अंतर्गत बच्चों ने अपने अनुभवों के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को समझा।
कक्षा में की गई गतिविधियों, प्रयोगों और पर्यवेक्षण से बच्चों ने ज्ञान को व्यवहार से जोड़ा।
इस पद्धति से उनमें सोचने, खोजने और स्वयं करने की क्षमता का विकास हुआ।

"जो सीख अनुभव से आता है, वही सच्चा ज्ञान बनता है।"

पठन प्रोत्साहन सप्ताह

विद्यालय में पठन प्रोत्साहन सप्ताह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

इस सप्ताह के दौरान बच्चों ने कहानी वाचन, पढ़ो-सुनाओ, फास्ट रीडिंग, वर्ड स्क्रैम्बलिंग, और बुकमार्क निर्माण जैसी रोचक गतिविधियों में भाग लिया।

इन गतिविधियों ने बच्चों में पढ़ने की गति, समझ, शब्द भंडार और आत्मविश्वास को बढ़ावा दिया।

कक्षा में हर ओर उत्साह और सीखने की उमंग दिखाई

CLUB ACTIVITIES

विद्यालय में क्लब गतिविधियों का महत्व

विद्यालय में क्लब गतिविधियाँ विद्यार्थियों के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अपनी रुचियों और प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें निखारने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करती हैं।

विभिन्न क्लबों के माध्यम से विकास

विभिन्न क्लब जैसे कि:

- विज्ञान क्लब
- गणित क्लब
- साहित्य क्लब
- संगीत क्लब
- नृत्य क्लब
- खेल क्लब
- पर्यावरण क्लब

इन क्लबों के द्वारा विद्यार्थी न केवल ज्ञान अर्जित करते हैं, बल्कि **टीमवर्क**, **नेतृत्व**, **सहयोग**, और **आत्मविश्वास** जैसे गुण भी विकसित करते हैं।

SCIENCE CLUB

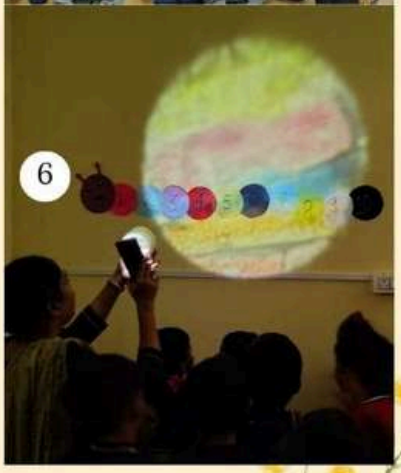

SPORTS CLUB

MATHEMATICS CLUB

बागवानी

बच्चे जब बागवानी करते हैं, तो मानो धरती मुस्कुरा उठती है। उनके छोटे-छोटे हाथ जब मिट्टी को छूते हैं, तो उसमें जीवन का नया संचार हो जाता है। पौधों को सींचते हुए वे न केवल प्रकृति की सेवा करते हैं, बल्कि धैर्य, प्रेम और जिम्मेदारी का सुंदर पाठ भी सीखते हैं।

ईको क्लब

इको क्लब ने एक स्वच्छता अभियान आयोजित किया। इस अभियान में सदस्यों ने मिलकर विद्यालय प्रांगण को साफ किया और कचरे को इकट्ठा किया। इस पहल से पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद मिली और विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक बदलाव आया।

थीम आधारित डिस्प्ले बोर्ड

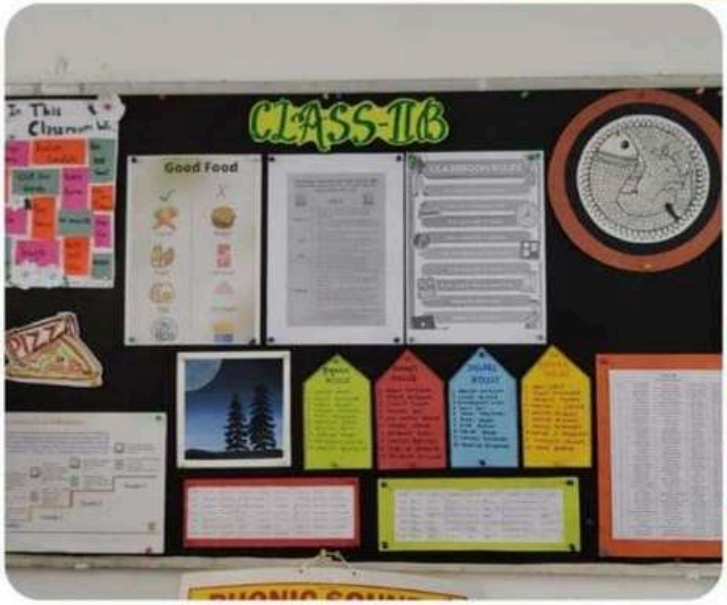

थीम आधारित डिस्प्ले बोर्ड : सीखने का सृजनात्मक मंच

विद्यालय में डिस्प्ले बोर्ड बच्चों की रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति और सीखने की अभिव्यक्ति
सजीव माध्यम हैं। प्रत्येक माह विभिन्न विषयों पर बनाए गए बोर्ड विद्यार्थियों में सोचने, बन
और अनुभव से सीखने की भावना को जागृत करते हैं। इन बोर्डों के माध्यम से बच्चे अप
विचार, चित्र, नारे और रचनाएँ प्रस्तुत कर टीमवर्क, आत्मविश्वास और विषयगत समझ क
विकास करते हैं। यह गतिविधि न केवल विद्यालय के वातावरण को सुंदर बनाती है, बल्कि
विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, अभिव्यक्ति कौशल और सीखने की रुचि भी बढ़ाती है।

✨ "हर बोर्ड एक नई सोच, हर रचना एक नई प्रेरणा।"

स्काउट और गाइड गतिविधियां

भारत स्काउट और गाइड एक सामाजिक संगठन है जो बच्चों और युवाओं में नेतृत्व, सेवा भावना और अनुशासन विकसित करता है। इसका उद्देश्य समाज सेवा, आत्मनिर्भरता और टीम वर्क को बढ़ावा देना है।

CUBS AND BULBUL ACTIVITY

कब्स और बुलबुल स्काउट और गाइड संगठन की सबसे छोटी शाखा होती है। यह 6 से 10 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए होती है। लड़कों को कब्स (Cubs) और लड़कियों को बुलबुल (Bulbuls) कहा जाता है। इस स्तर पर बच्चों में देशभक्ति, अनुशासन, सहयोग, दया, और सेवा की भावना विकसित की जाती है।

CLA

Origamy गतिविधि।

ओरिगामी केवल कला नहीं,
यह धैर्य और एकाग्रता का सुंदर अभ्यास है।
इस गतिविधि में बच्चा अपनी कल्पना को आकार देता है
और कागज़ में जीवन भर देता है।
कागज़ को मोड़कर आकृति बनाना, हमें सिखाता है—
छोटे प्रयासों से बड़े परिणाम मिलते हैं।

25/10/25 CLA Club

Best out of Waste

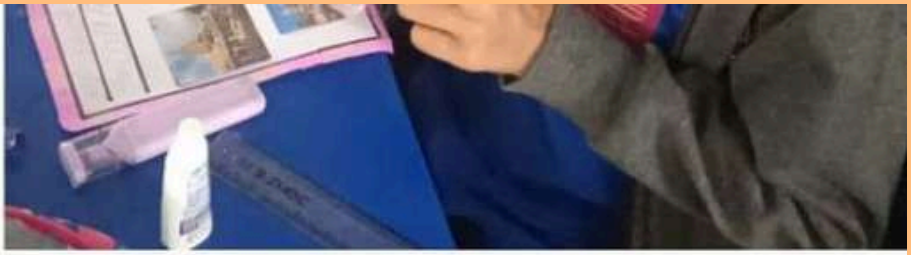

CLA गतिविधि।
रंगोली बनाओ गतिविधि।

चिकित्सा

स्कूल में आज एक निःशुल्क चिकिसा शिविर का आयोजन किया गया। डॉक्टर ने सभी छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच की ओर आवस्यक परामर्श दिया। साथ ही उन्हें स्वस्थ्य रहो के लिए प्रेरित किया।

परामर्श

हमारे विद्यालय में स्कूल परामर्श द्वारा छात्रों के शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में उन्हें आने वाली चुनौतियों का सामना करने और अपनी क्षमता तक पहुंचने में मदद मिलती है। विद्यालय में व्यक्तिगत एवं समूह परमर्श, कैरियर नियोजन और विभिन्न मुद्दों से निपटने की रणनीतियों के विकास के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। शिक्षको, अभिभावकों और समुदाय के साथ सहयोग करते हुए हमारे विद्यालय में परामर्श बच्चों में सकारात्मक शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देता है तथा भावनात्मक स्थिरता का विकास करता है।